Incentives to paddy growers in Orissa

1143. KUMARI SUSHILA TIRIA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Governmtnt's attention has been drown to the news item which appeared on the "Times of India" of the 21st March, 1988 under the caption "outlook grim for paddy in Orissa" regarding incentives to paddy growers;

(b) if so, whether inadequate price incentives and market support have been straining the growers in the State;

(c) whether a recent study has revealed that paddy growers in Orissa failed to recover the production costs during 1982-83; and

(d) if so, the action taken or proposed to be taken in this rgeard?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SHYAM LAL YADAV): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) Yes, Sir. The cost of production figures for 1982-83 were high mainly due to decline in productivity of rise in Orissa owing to adverse seasonal conditions in that year. However, the cost of production in the subsequent years came down due to increase in productivity.

(d) Does not arise.

ESI Hospitals in Orissa

1144. KUMARI SUSHILA TIRIA: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether there is a proposal under Government's consideration to set up ESI hospitals at Brahmani Pal, Bajopal Pur and Askh in Orissa;

(b) whether the Central Government have received some proposals from the Government of Orissa in this regard; and

(c) if so, what action has been taken thereon?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) and (b) No, Sir.

(c) Does not arise.

उत्तर प्रदेश में दर्ज बेरोजगार व्यक्ति

1145. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में रोजगार कार्यालयों में दर्ज व्यक्तियों की वर्षवार और श्रेणीवार संख्या कितनी है ;

(ख) उनमें अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के ऐसे व्यक्तियों की वर्षवार संख्या कितनी है जिन्हें इसी अवधि में रोजगार कार्यालयों के माध्यम से रोजगार प्रदान किया गया ;

(ग) क्या सरकार अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के व्यक्तियों को रोजगार के मामले में कोई प्राथमिकता नहीं दे रही है ;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) सरकार अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के व्यक्तियों की ओर क्या ध्यान दे रही है या क्या उन्हें प्राथमिकता देने का कोई प्रस्ताव उसके विचाराधीन है ?

श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर) : (क) 1985, 1986 तथा जून 1987 के अन्त में उत्तर प्रदेश में रोजगार कार्यालयों के चालू रजिस्टरों पर रोजगार चाहने वालों की संख्या जिनमें से सभी अनिवार्यतः बेरोजगार नहीं होते तथा उनमें से अनुसूचित जातियों

तथा अनुसूचित जनजातियों के व्यक्तियों की संख्या नीचे दी गई है:—

(हजारों में)

	1985	1986	जून 1987
कुल	2564.3	3250.8	3155.6
अनुसूचित जाति	415.7	520.5	510.2
अनुसूचित जनजाति	4.9	6.5	6.5

(ख) 1985, 1986 तथा जनवरी-जून, 1987 के दौरान उत्तर प्रदेश के रोजगार कार्यालयों के माध्यम से रोजगार चाहने वाले अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों की गई नियुक्तियों की संख्या निम्न प्रकार है:—

	1985	1986	जनवरी—जून. 1987
अनुसूचित जाति	6960	10022	2532
अनुसूचित जनजाति	199	190	44

(ग) से (ङ) केन्द्र सरकार अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षण तथा आयु, यात्रा भत्ता चयन के न्यूनतम मानदंड अनुभव की निर्धारित अवधि में छूट, पूर्ण शुल्क छूट तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिये पृथक साक्षात्कार जैसी रियायतों के माध्यम से सीधी भर्ती के लिये उन्हें वरीयता प्रदान करती है।

7वीं योजना की विशेष रोजगारोन्मुख योजनाओं में भी अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों को वरीयता दी जाती है। एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम में, जिसमें स्व-रोजगार हेतु ग्रामीण युवकों का प्रशिक्षण सम्मिलित है, तथा शिक्षित बेरोजगार युवकों को स्व-रोजगार प्रदान करने की योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कम से कम 30 प्रतिशत लाभ भोगियों के लिये प्रावधान है। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम तथा ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारन्टी कार्यक्रम में भी भूमिहीन (श्रमिकों) को अन्य बातों के साथ-साथ उनमें से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को वरीयता दी जाती है।

Import of oilseeds from U.S.A.

1146. SHRI CHIMANBHAI MEHTA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether 5 lakh tons oilseeds is proposed to be given by U.S.A. to India and if so, what are the terms and conditions threof;

(b) the varieties of oilseeds covered by the said agreement;

(c) the landing cost of the oilseeds and at what price oilseeds are likely to be sold; and

(d) the CIF prices of oilseeds offered by U.S. to India as aid?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SHYAM LAL YADAV): (a) No specific offer has been received form the U.S.A. for supply of five lakh tonnes of oilseeds to India.

(b) to (d) Do not arise.